

# अध्याय 06

## पद परिचय

प्रस्तुत अध्याय पद परिचय; जैसे-संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण तथा अव्यय आदि पर आधारित है।

किसी व्यक्ति, वस्तु आदि से सम्बन्धित कोई जानकारी देना उस व्यक्ति, वस्तु का परिचय कहलाता है। जब हम किसी से उसके विषय में कुछ पूछते हैं, तो वह उसका परिचय होता है। इसी तरह पद के विषय में बताना भी उसका 'पद परिचय' कहलाता है।

किसी सार्थक वाक्य में जो शब्द होते हैं, उन्हें पद कहते हैं। अतः उन पदों का परिचय देना ही 'पद परिचय' कहलाता है।

पद परिचय के अन्तर्गत किसी पद का व्याकरणिक रूप से पूर्ण परिचय दिया जाता है अर्थात् वाक्य में उस पद की स्थिति, उसका लिंग, वचन, कारक तथा अन्य पदों से उसका क्या सम्बन्ध है आदि से अवगत कराना; जैसे—राजा शहर जाता है।

**राजा** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'जाता है' क्रिया का कर्ता

**शहर** जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'जाता है' क्रिया का कर्म

**जाता है** सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, 'जा' धातु, वर्तमान काल, 'राजा' कर्ता की क्रिया

अतः उपर्युक्त वाक्य में तीन पद हैं—'राजा', 'शहर' और 'जाता है' और यहाँ पर इन तीनों का व्याकरणिक कोटि के आधार पर परिचय कराया गया है।

पिछले अध्याय में हमने बताया कि पद पाँच प्रकार के होते हैं; संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा अव्यय। इन सभी पदों का परिचय किस प्रकार दिया जाता है, आइए इस विषय पर विचार करते हैं

## संज्ञा का पद परिचय

संज्ञा का पद परिचय देते समय हमें निम्न बिन्दुओं की जानकारी होना आवश्यक है

1. संज्ञा के भेद, 2. लिंग, 3. वचन, 4. कारक तथा 5. क्रिया के साथ पद का सम्बन्ध

जैसे—मोहन घर से जाता है।

**मोहन** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'जाता है' क्रिया का कर्ता

**घर** जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'जाता है' क्रिया का कर्म

## सर्वनाम का पद परिचय

सर्वनाम का पद परिचय देते समय निम्न बिन्दुओं की जानकारी होना आवश्यक है

1. सर्वनाम का भेद, उपभेद, 2. लिंग, 3. वचन,

4. कारक तथा 5. क्रिया के साथ सम्बन्ध

जैसे राहुल ने उसे क्यों मारा?

'उसे' उपर्युक्त वाक्य में सर्वनाम है। अतः इसका परिचय हम इस प्रकार देंगे।

**उसे** पुरुषवाचक सर्वनाम का अन्य पुरुष, उभय लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'मारा' क्रिया का कर्म।

उभय लिंग से तात्पर्य उन शब्दों से है, जो पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग दोनों शब्दों के लिए प्रयोग किए जा सकते हैं; जैसे—

उस कुर्सी को वहाँ रख दो। (स्त्रीलिंग)

उस कम्प्यूटर को यहाँ ले आओ। (पुल्लिंग)

## विशेषण का पद परिचय

विशेषण का पद परिचय देते समय निम्न बिन्दुओं की जानकारी होना आवश्यक है

1. विशेषण के भेद, उपभेद, 2. लिंग, 3. वचन, 4. कारक 5. विशेष्य

जैसे राहुल कल ईमानदार लकड़हारे से मिला।

**ईमानदार** गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक, 'लकड़हारे' विशेष्य का विशेषण।

## क्रिया का पद परिचय

क्रिया का पद परिचय देते समय निम्न बिन्दुओं की जानकारी होना आवश्यक है

1. क्रिया के भेद (कर्म के आधार पर) 2. लिंग 3. वचन 4. धातु 5. काल 6. कर्ता का संकेत

जैसे कवि ने एक कविता लिखी।

**लिखी** सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'लिख' धातु, भूतकाल, 'कवि' इसका कर्ता।

## अव्यय का पद परिचय

हम जानते हैं कि अव्यय के मुख्यतः चार भेद होते हैं

1. क्रिया विशेषण
2. सम्बन्धबोधक
3. समुच्चयबोधक
4. विस्मयादिबोधक

अतः **क्रिया विशेषण** का पद परिचय देते समय हमें निम्न बिन्दुओं की जानकारी देनी होगी

1. क्रिया विशेषण के भेद, उपभेद, 2. विशेष्य-क्रिया का संकेत

जैसे राहुल स्कूल धीरे-धीरे गया।

**धीरे-धीरे** रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'गया' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

**सम्बन्धबोधक** का पद परिचय देते समय हमें निम्न बिन्दुओं की जानकारी देनी होगी

1. सम्बन्धबोधक का भेद, उपभेद,
2. पदों/पदबन्धों/वाक्यांशों से सम्बन्ध

जैसे यह कार्य राम की वजह से सफल हुआ।

**की वजह से** कारणवाचक सम्बन्धबोधक अव्यय, राम का सम्बन्ध अन्य शब्दों से जोड़ता है।

**समुच्चयबोधक** का पद परिचय देते समय हमें निम्न बिन्दुओं की जानकारी देनी होगी

1. समुच्चयबोधक का भेद, उपभेद, 2. संयुक्त शब्द या वाक्य;

जैसे राहुल को घर जाना होगा, क्योंकि उसकी माँ ने उसे बुलाया है।

**क्योंकि** कारणवाचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, 'राहुल को घर जाना होगा' वाक्य को दूसरे वाक्य से मिला रहा है

**विस्मयादिबोधक** का पद परिचय देते समय निम्न जानकारी देनी होगी

1. विस्मयादिबोधक का भेद, उपभेद 2. सूचक भाव

जैसे हा! राहुल के दादा जी का स्वर्गवास हो गया।

हा!.....विस्मयादिबोधक अव्यय, शोक सूचक

# अभ्यास प्रश्न

1. पद परिचय क्या है?

- (a) शब्दों के भेद बताना
- (b) वाक्यों की जानकारी देना
- (c) वाक्य में पदों की स्थिति बताना
- (d) पदों का वाक्यों से सम्बन्ध बताना

2. निम्न में से कौन पद का एक भेद है?

- (a) लिंग
- (b) संज्ञा
- (c) वचन
- (d) कारक

3. निम्न में से कौन पद का एक भेद है?

- (a) अव्यय
- (b) कारक
- (c) लिंग
- (d) वचन

4. 'करीना बहुत तेज दौड़ती है' वाक्य में 'बहुत' शब्द क्या है?

- (a) विशेषण
- (b) क्रिया-विशेषण
- (c) विशेष्य
- (d) प्रविशेषण

5. 'रवि के कंचे बिखर गए' वाक्य में 'बिखर गए' संयुक्त क्रिया में कौन-सा वचन है?

- (a) द्विवचन
- (b) बहुवचन
- (c) एकवचन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

निर्देश (प्रश्न संख्या 6-20) में दिए गए वाक्यों में रेखांकित अंशों के उचित पद परिचय का चयन कीजिए

6. साहिल कल अमेरिका जाएगा।

- (a) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक, 'जाएगा' क्रिया का कर्ता
- (b) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'जाएगा' क्रिया का कर्ता
- (c) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'जाएगा' क्रिया का कर्ता
- (d) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'जाएगा' क्रिया का कर्ता

7. रवि मुम्बई चला गया।

- (a) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म कारक, 'चली गई' क्रिया का कर्म
- (b) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'चली गई' क्रिया का कर्म
- (c) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'चली गई' क्रिया का कर्म
- (d) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'चली गई' क्रिया का कर्ता

8. तुम्हें उसकी बात माननी चाहिए।

- (a) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन कर्म कारक, 'माननी चाहिए' क्रिया का कर्म
- (b) निश्चयवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'माननी चाहिए' क्रिया का कर्म
- (c) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'माननी चाहिए' क्रिया का कर्म
- (d) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन कर्म कारक, 'माननी चाहिए' क्रिया का कर्म

9. उन्होंने कल क्या देखा?

- (a) निजवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, उभय लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक, 'देखा' क्रिया का कर्ता
- (b) निजवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, उभय लिंग, बहुवचन, कर्म कारक, 'देखा' क्रिया का कर्म
- (c) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, उभय लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक, 'देखा' क्रिया का कर्ता
- (d) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, उभय लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'देखा' क्रिया का कर्ता

10. कृष्णा विद्यालय जाता है।

- (a) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, 'जा' धातु, वर्तमान काल, 'कृष्णा' इसका कर्ता
- (b) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'जा' धातु, वर्तमान काल, 'कृष्णा' इसका कर्ता
- (c) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, 'जा' धातु, वर्तमान काल, 'कृष्णा' इसका कर्ता
- (d) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, 'जा' धातु, वर्तमान काल, 'कृष्णा' इसका कर्ता

11. विरेन्द्र कल तालाब में गिर गया।

- (a) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, 'गिर' धातु, भूतकाल, 'विरेन्द्र' इसका कर्ता
- (b) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, 'गिर' धातु, वर्तमान काल, 'विरेन्द्र' इसका कर्ता
- (c) सकर्मक क्रिया, संयुक्त क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, 'गिर' धातु, भूतकाल, 'विरेन्द्र' इसका कर्ता
- (d) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, 'गिर' धातु, भूतकाल, 'विरेन्द्र' इसका कर्ता

12. मुझे कल यह मैच खेलना होगा।

- (a) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, 'खेल' धातु, भविष्यत् काल, 'मुझे' इसका कर्ता
- (b) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, 'खेल' धातु, भविष्यत् काल, 'मुझे' इसका कर्ता

- (c) सकर्मक क्रिया, पुल्लिङ्ग, एकवचन, 'खेल' धातु, भविष्यत् काल, 'मुझे' इसका कर्ता
- (d) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिङ्ग, 'खेल' धातु, भविष्यत् काल, 'मुझे' इसका कर्ता
- 13.** मुझे लगता है कि यह भीतरी षड्यन्त्र है।
- (a) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिङ्ग, एकवचन कर्म कारक, 'षड्यन्त्र' का विशेषण
- (b) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिङ्ग, एकवचन, कर्म कारक, 'षड्यन्त्र' का विशेषण
- (c) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिङ्ग, बहुवचन, कर्म कारक, 'षड्यन्त्र' का विशेषण
- (d) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिङ्ग, बहुवचन, कर्म कारक, 'षड्यन्त्र' का विशेषण
- 14.** वह व्यक्ति अन्दर नहीं आना चाहिए।
- (a) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिङ्ग, एकवचन, कर्म कारक, 'व्यक्ति' का विशेषण
- (b) संकेतवाचक विशेषण, पुल्लिङ्ग, एकवचन, कर्ता कारक, 'व्यक्ति' का विशेषण
- (c) संकेतवाचक विशेषण, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन, कर्ता कारक, 'व्यक्ति' का विशेषण
- (d) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिङ्ग, एकवचन, कर्ता कारक, 'व्यक्ति' का विशेषण
- 15.** तुम मुझे परसो मिलना।
- (a) कालवाचक क्रिया विशेषण, 'मिलना' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
- (b) स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'मिलना' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
- (c) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'मिलना' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
- (d) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, 'मिलना' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
- 16.** मैंने कल दिव्या के साथ पूजा की।
- (a) स्वरूपवाचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, दिव्या का सम्बन्ध अन्य शब्दों से जोड़ता है।
- (b) संगवाचक सम्बन्धबोधक अव्यय, दिव्या का सम्बन्ध अन्य शब्दों से जोड़ता है।
- (c) समुच्चयबोधक अव्यय, दिव्या का सम्बन्ध अन्य शब्दों से जोड़ता है।
- (d) उद्देश्यवाचक सम्बन्धबोधक अव्यय, दिव्या का सम्बन्ध अन्य शब्दों से जोड़ता है।
- 17.** तुम्हें यह यज्ञ करना ही होगा, ताकि तुम रण में विजयी हो सको।
- (a) उद्देश्यवाचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, 'तुम्हें.....होगा' वाक्य को दूसरे वाक्य से जोड़ता है।
- (b) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'होगा' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
- (c) कारणवाचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, 'तुम्हें.....होगा' वाक्य को दूसरे वाक्य से जोड़ता है।
- (d) कालवाचक सम्बन्धबोधक अव्यय, 'तुम्हें' का सम्बन्ध अन्य शब्दों से जोड़ता है।
- 18.** मैं चला तो जाता किन्तु मुझे और भी काम हैं।
- (a) सम्बन्धबोधक अव्यय, 'मैं' का सम्बन्ध अन्य शब्दों से जोड़ता है।
- (b) उद्देश्यवाचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, 'मैं'.....जाता' वाक्य को दूसरे वाक्य से जोड़ता है।
- (c) विरोधदर्शक समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, 'मैं'.....जाता' वाक्य को दूसरे वाक्य से जोड़ता है।
- (d) संयोजक समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, 'मैं'.....जाता' वाक्य को दूसरे वाक्य से जोड़ता है।
- 19.** वाह! हमने यह मैच जीत लिया।
- (a) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोक सूचक
- (b) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्ष सूचक
- (c) विस्मयादिबोधक अव्यय, आश्चर्य सूचक
- (d) विस्मयादिबोधक अव्यय, अनुमोदन सूचक
- 20.** क्या! तुम भी थे वहाँ।
- (a) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्ष सूचक
- (b) विस्मयादिबोधक अव्यय, घृणा सूचक
- (c) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोक सूचक
- (d) विस्मयादिबोधक अव्यय, आश्चर्य सूचक

## उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(b)	3.	(a)	4.	(d)	5.	(b)	6.	(b)	7.	(b)	8.	(a)	9.	(c)	10.	(d)
11.	(c)	12.	(c)	13.	(b)	14.	(b)	15.	(a)	16.	(b)	17.	(a)	18.	(c)	19.	(b)	20.	(d)